RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01

अंक : 258

दि. 19.01.2026,

सोमवार

पाना : 04

किंमत : 00.50 पैसा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी को किया आमंत्रित, गाजा मुद्दे पर होने वाली है बड़ी बैठक

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को गाजा शांति बोर्ड का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया है। व्हाइट हाउस ने पीएम मोदी के नाम एक पत्र जारी करते हुए लिखा कि भारत गणराज्य के प्रधानमंत्री के रूप में, मुझे आपको मध्य पूर्व में शांति को सुदृढ़ करने और साथ ही वैश्विक संघर्षों के समाधान के लिए एक साहसिक नए दृष्टिकोण को अपनाने के इस ऐतिहासिक और भव्य प्रयास में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है।

29 सितंबर, 2025 को, मैंने गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना की घोषणा की, जो एक असाधारण 20-सूत्रीय रोडमैप है जिसे अरब जगत, इजराइल और यूरोप के प्रमुख राष्ट्राध्यक्षों सहित सभी विश्व नेताओं ने तुरंत स्वीकार कर लिया। इस योजना को आगे बढ़ाते हुए, 17 नवंबर को, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सर्वसम्मति से संकल्प 2803 पारित किया, जिसमें इस दृष्टिकोण का स्वागत और समर्थन किया गया। सभी सपनों को वास्तविकता में बदला जाए। इस योजना के केंद्र में शांति बोर्ड है, जो अब तक गठित सबसे प्रभावशाली और महत्वपूर्ण बोर्ड है, जिसे एक नए अंतर्राष्ट्रीय संगठन और संक्रमणकालीन शासी प्रशासन के रूप में स्थापित किया जाएगा।

हमारे इस प्रयास से उन विशिष्ट राष्ट्रों का एक समूह एकजुट होगा जो स्थायी शांति के निर्माण की महान जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं।

यह सम्मान उन लोगों को प्राप्त है जो उदाहरण प्रस्तुत करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य में उत्कृष्ट निवेश करने के लिए तत्पर हैं। हम निकट भविष्य में अपने अद्भुत और प्रतिबद्ध साझेदारों को एक साथ लाएंगे, जिनमें से अधिकांश विश्व के अत्यंत सम्मानित नेता हैं।

भारत को इस महत्वपूर्ण कूटनीतिक प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर मिलना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई दिल्ली की बढ़ती अहमियत का सबूत है। यह दिखाता है कि भारत दोनों पक्षों, इजरायल और फिलिस्तीन, के साथ अच्छे संबंध बनाए हुए है और शांति स्थापना में अपनी भूमिका निभा सकता है।

13 अक्टूबर 2025 को गाजा शांति समझौता हुआ था

बता दें कि 13 अक्टूबर 2025 को गाजा में दो साल से चली आ रही इजरायल-हमास युद्ध को खत्म करने के लिए एक ऐतिहासिक शांति समझौता हुआ था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता के बाद हमास ने बंधकों को रिहा किया था

और इजरायल ने भी उनके कैदियों को छोड़ा था। इसके बाद मिश्र के शहर 'शर्म एल-शेख' में शिखर सम्मेलन हुआ, जहां गाजा घोषणा पर हस्ताक्षर हुए।

गाजा पीस समझौता 20 सूत्री प्रस्ताव पर आधारित था

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों पक्ष के बीच समझौता कराया था जो कि 20-सूत्री प्रस्ताव पर आधारित था। सम्मेलन में युद्धविराम, गाजा का पुनर्निर्माण और लंबे समय की शांति को लेकर सहमति बनी थी। इसी सम्मेलन में गाजा को एक 'बोर्ड ऑफ पीस' के तहत चलाने का प्रस्ताव रखा, जिसकी अगुवाई ट्रंप और पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर करेंगे।

एक विकसित भारत के लिए पूर्वी भारत का विकास आवश्यक है : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के सिंगूर में 830 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के सिंगूर में 830 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि कल वे मालदा में थे और आज उन्हें हुगली की जनता के बीच रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक विकसित भारत के लिए पूर्वी भारत का विकास आवश्यक है और इस लक्ष्य को लेकर केंद्र सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कल और आज के कार्यक्रम इस संकल्प को और मजबूत करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस दौरान उन्हें पश्चिम बंगाल के विकास से संबंधित सैकड़ों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करने का अवसर मिला।

श्री मोदी ने बताया कि कल पश्चिम बंगाल से देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू की गई। उन्होंने आगे कहा कि बंगाल को लगभग आधा दर्जन नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें भी मिली हैं। उन्होंने बताया कि आज तीन और अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से एक ट्रेन उनके संसदीय क्षेत्र वाराणसी और बंगाल के बीच संपर्क को और मजबूत करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि दिल्ली और तमिलनाडु के लिए भी अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू की गई हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले 24 घंटे पश्चिम बंगाल के रेल संपर्क के लिए अभूतपूर्व रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बंगाल में जलमार्गों की अपार संभावनाएं हैं और केंद्र सरकार इस दिशा में काम कर रही है। उन्होंने बताया कि बंदरगाह आधारित विकास के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण हेतु सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले ही बंदरगाहों और नदी-जलमार्गों से संबंधित परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है। उन्होंने जोर दिया कि ये पश्चिम बंगाल और भारत के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि ये वे स्तंभ हैं जिन पर पश्चिम बंगाल को विनिर्माण, व्यापार और रसद के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने इन परियोजनाओं के लिए सभी को बधाई दी।

श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि बंदरगाहों और उनसे जुड़े पारिस्थितिकी तंत्र पर जितना अधिक ध्यान दिया जाएगा, उतना ही अधिक रोजगार सृजित होगा। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में केंद्र सरकार ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह की क्षमता विस्तार में महत्वपूर्ण निवेश किया है। उन्होंने आगे कहा कि सागरमाला योजना के तहत इस बंदरगाह की कनेक्टिविटी में सुधार के लिए सड़कों का निर्माण भी किया गया है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों के परिणाम अब दिखने लगे हैं। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि पिछले वर्ष कोलकाता बंदरगाह ने माल ढुलाई में नए रिकॉर्ड बनाए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बालागढ़ में विकसित की जा रही विस्तारित बंदरगाह द्वार प्रणाली हुगली और आसपास के क्षेत्रों के लिए नए अवसर खोलेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इससे कोलकाता शहर में यातायात और रसद का दबाव कम होगा। उन्होंने कहा कि गंगा पर बने इस जलमार्ग के माध्यम से माल ढुलाई में और वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि यह संपूर्ण अवसंरचना हुगली को एक भंडारण और व्यापार केंद्र में बदलने में सहायक होगी, जिससे सैकड़ों करोड़ का नया निवेश आएगा, हजारों रोजगार सृजित होंगे, छोटे व्यापारियों और ट्रांसपोर्टरों को लाभ होगा और किसानों और उत्पादकों के लिए नए बाजार उपलब्ध होंगे।

श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत आज बहु-मार्गीय संपर्क और हरित परिवहन पर विशेष बल दे रहा है। उन्होंने कहा कि सुगम परिवहन सुनिश्चित करने के लिए बंदरगाहों, नदी-मार्गों, राजमार्गों और हवाई अड्डों को आपस में जोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि इससे रसद लागत और परिवहन समय दोनों में कमी आ रही है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि परिवहन के साधनों को प्रकृति के अनुकूल बनाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हाइब्रिड इलेक्ट्रिक नौकाएं नदी परिवहन और हरित परिवहन को मजबूत करेंगी, जिससे हुगली नदी पर यात्रा आसान होगी, प्रदूषण कम होगा और नदी आधारित पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत मत्स्य पालन और समुद्री खाद्य उत्पादन एवं निर्यात में तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने पश्चिम बंगाल के इस क्षेत्र में देश का नेतृत्व करने का सपना व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार नदी-जलमार्गों के विकास के लिए पश्चिम बंगाल के दृष्टिकोण का प्रमुखता से समर्थन कर रही है, जिससे किसानों और मछुआरों दोनों को लाभ मिल रहा है। श्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई ये सभी परियोजनाएं पश्चिम बंगाल के विकास की गति को तेज करेंगी। उन्होंने इन परियोजनाओं के लिए सभी को शुभकामनाएं दीं।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल श्री सी.वी. आनंद बोस, केंद्रीय मंत्री श्री सबार्नंद सोनोवाल, श्री शांतनु ठाकुर, श्री सुकांत मजूमदार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

पृष्ठभूमि

प्रधानमंत्री ने हुगली जिले के सिंगूर में 830 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।

जे एण्ड के के किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, पाक समर्थित जैश के 3 आतंकियों को सेना ने घेरा

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के सिंहपोरा में रविवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ से इलाके में तनाव फैल गया। यह मुठभेड़ सिंहपोरा क्षेत्र में उस समय शुरू हुई, जब सुरक्षाबल आतंकियों की मौजूदगी की सूचना पर सघन तलाशी अभियान चला रहे थे।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस मुठभेड़ में पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादियों के शामिल होने की आशंका है।

सरकार गोला-बारूद के निर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने और देश को वैश्विक उत्पादन केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की गोला-बारूद निर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने और देश को इस क्षेत्र में वैश्विक उत्पादन केंद्र बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। 19 जनवरी, 2026 को नागपुर, महाराष्ट्र में सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड में मध्यम कैलिबर गोला-बारूद निर्माण सुविधा का उद्घाटन करते हुए, उन्होंने उस समय को याद किया जब गोला-बारूद की कमी ने देश की रक्षा तैयारियों को बाधित किया था और सरकार ने इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता को महसूस किया था।

एक काले रंग के बोर्ड के सामने खड़े पुरुषों का एक समूह (विवरण स्वचालित रूप से उत्पन्न हुआ)

रक्षा मंत्री द्वारा उद्घाटन किया गया यह संयंत्र पूरी तरह से स्वचालित है और इसमें 30 मिमी गोला बारूद का निर्माण होता है, जिसका उपयोग भारतीय सेना और नौसेना द्वारा बड़े पैमाने पर किया जाता है। उन्होंने पिनाका रॉकेट निर्माण संयंत्र का भी दौरा किया और निर्देशित पिनाका रॉकेटों की पहली खेप आर्मेनिया को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रक्षा मंत्री ने रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने में निजी क्षेत्र के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय गोला-बारूद के निर्माण के कारण देश गोला-बारूद उत्पादन में लगातार प्रगति कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से 2021 में भारतीय सेना को निजी क्षेत्र द्वारा निर्मित पूर्णतः भारतीय गोला-बारूद मल्टी-मोड हैंड ग्रेनेड सौंपे जाने का उल्लेख किया। उन्होंने आगे कहा कि सोलर ग्रुप द्वारा निर्मित नागास्त्र ड्रोन का ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सफलतापूर्वक उपयोग किया गया, क्योंकि इसने आतंकवादी ठिकानों पर सटीक प्रहार करके अपनी रणनीतिक क्षमता साबित की।

उन्होंने नागास्त्र के अधिक उन्नत संस्करणों के विकास की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर ये हथियार देश के शत्रुओं के लिए अत्यंत घातक साबित होंगे।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सोलर कंपनी द्वारा विकसित किए जा रहे 'भार्गवस्त्र' काउंटर ड्रोन सिस्टम का सफल परीक्षण निजी क्षेत्र की तकनीकी क्षमताओं को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि इस संयंत्र में विकसित पिनाका मिसाइलों का निर्यात शुरू हो चुका है, जो देश की निर्यात क्षमता को और मजबूत करने में रक्षा उद्योग की क्षमताओं को प्रदर्शित करता है।

दिल्ली में पीएम विश्वकर्मा हाट 2026 का उद्घाटन

(जीएनएस)।

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री श्री जीतन राम मांझी ने आज सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा दिल्ली हाट, आईएनए, नई दिल्ली में आयोजित पीएम विश्वकर्मा हाट 2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में इराक और रवांडा के राजदूतों, एमएसएमई मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों, कारीगरों तथा अन्य हितधारकों ने भी अपनी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई।

सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री जीतन राम मांझी ने पीएम विश्वकर्मा योजना की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और प्रदर्शनी के सफल आयोजन के लिए टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि

ह्लपीएम विश्वकर्मा गांव-स्तरीय पृष्ठभूमि से आने वाले कारीगरों को अपने उत्पाद बेचने के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान करता है और यह एक सराहनीय प्रयास है।' केंद्रीय मंत्री ने विश्वकर्मा के महत्व को भी स्पष्ट किया और योजना के पीछे की परिकल्पना की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सफल और गतिशील नेतृत्व में यह योजना देश के प्रत्येक विश्वकर्मा को बाजारों तक पहुंच प्रदान कर रही है और उन्हें राष्ट्र के विकास में योगदान देने का अवसर दे रही है।

इस अवसर पर बोलते हुए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि, ह्लप्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में पीएम विश्वकर्मा पहल ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। पीएम विश्वकर्मा हाट के मंच पर विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 117 से अधिक कारीगरों की भागीदारी देखना वास्तव में उत्साहजनक है।' उन्होंने आगे कहा कि पीएम विश्वकर्मा गांव के कारीगरों को एक सक्षम मंच प्रदान कर उनसे जुड़ाव स्थापित करता है, जिससे उनके लिए वैश्विक बाजारों तक पहुंच के नए मार्ग खुलते हैं। उनके अनुसार, ये उपलब्धियां भारत सरकार के सतत प्रयासों और एमएसएमई मंत्रालय के समर्पित कार्य का परिणाम हैं।

रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए राहत! बजट से पहले सरकार न्यूनतम पेंशन बढ़ाने का कर सकती है ऐलान

(जीएनएस)।

महंगाई के लगातार बढ़ते दौर में रिटायर्ड कर्मचारियों और पेंशनधारकों के लिए राहत की खबर सामने आ रही है। बुढ़ापे में मिलने वाली मासिक पेंशन बुजुर्गों के लिए न सिर्फ आर्थिक सहारा होती है, बल्कि सम्मानजनक जीवन भी देती है।

इस बार सरकार यूनियन बजट 2026 लंबे समय से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन से जुड़े पेंशनधारकों की ओर से न्यूनतम पेंशन बढ़ाने की मांग पर अब केंद्र सरकार गंभीरता से विचार करती नजर आ रही है।

ऐसी उम्मीद कि जा रही है कि सरकार इस मुद्दे को बजट 2026 में या उसके तुरंत बाद हल करने की दिशा में कदम उठा सकती है।

फिलहाल EPFO के तहत आने वाले पेंशनधारकों को न्यूनतम 1,000 रुपये प्रतिमाह पेंशन मिलती है। चौंकाने वाली बात यह है कि बीते 11 वर्षों से इस राशि में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। इस दौरान महंगाई दर कई गुना बढ़ चुकी है, जिससे 1,000 रुपये की पेंशन आज के समय में लगभग बेमानी हो गई है। दवा, इलाज, किराया, बिजली-पानी और रोजमर्रा की जरूरतों को देखते हुए यह राशि किसी भी तरह से पर्याप्त नहीं मानी जा सकती।

कर्मचारी संगठनों का कहना है

कि मौजूदा आर्थिक हालात में इतनी कम पेंशन पर गुजारा करना बेहद मुश्किल है। उनका तर्क है कि सरकार ने अगर समय-समय पर महंगाई भत्ते और वेतन में संशोधन किया है, तो पेंशनधारकों को भी उसी अनुपात में राहत मिलनी चाहिए।

न्यूनतम पेंशन बढ़ाने को लेकर कर्मचारी संगठनों ने हाल के महीनों में दबाव तेज कर दिया है। 6 जनवरी को भारतीय मजदूर संघ (BMS) के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री से मुलाकात कर यह मुद्दा जोर-शोर से उठाया। बैठक के दौरान न्यूनतम पेंशन बढ़ाने की मांग रखी गई, जिस पर मंत्री ने सकारात्मक रुख दिखाते हुए इस पर उचित विचार का भरोसा दिलाया।

इसके अलावा अन्य कर्मचारी संगठनों और पेंशनर्स फोरम्स ने भी न्यूनतम पेंशन को बढ़ाकर कम से कम 7,000 से 10,000 रुपये प्रतिमाह करने की मांग दोहराई है। उनका कहना है कि इससे बुजुर्ग पेंशनधारकों को सम्मानजनक जीवन जीने में मदद मिलेगी और वे पूरी तरह दूसरों पर निर्भर नहीं रहेंगे।

सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है मामला

यह मामला केवल सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि न्यूनतम पेंशन से जुड़ा मुद्दा इस समय सुप्रीम कोर्ट में भी विचाराधीन है। अदालत में चल रही सुनवाई के चलते सरकार पर भी एक नैतिक और कानूनी दबाव बना हुआ है। जानकारों का मानना है कि अदालत की टिप्पणी और कर्मचारी संगठनों के लगातार दबाव के बीच सरकार जल्द ही कोई ठोस फैसला ले सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यूनियन बजट 2026 इस मामले में एक टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है। या तो बजट में ही न्यूनतम पेंशन बढ़ाने का ऐलान किया जा सकता है, या फिर बजट के तुरंत बाद इस दिशा में कोई बड़ी घोषणा हो सकती है।

ईरान में इंटरनेट बंद कर 'नरसंहार' जारी! अब तक 16,500 मौतें, 7000 लोगों की फोड़ी गई आंखें, डॉक्टरों का खुलासा

ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों और वहां की तानाशाही सरकार के क्रूर दमन पर एक भयावह रिपोर्ट सामने आई है। ग्राउंड जीरो पर मौजूद डॉक्टरों के अनुसार, इस खूनी संघर्ष में अब तक कम से कम 16,500 प्रदर्शनकारी मारे गए हैं और 3,30,000 से अधिक घायल हुए हैं।

आर्थिक मुद्दों से शुरू हुआ यह आंदोलन अब ईरानी शासन को उखाड़ फेंकने की गूंज बन चुका है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने पहली बार सार्वजनिक रूप से 'हजारों' मौतों को स्वीकार किया है, लेकिन उन्होंने इन प्रदर्शनकारियों को अमेरिका का "पैदल सैनिक" करार दिया है।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने देश में महीनों से चल रही अशांति पर चुप्पी तोड़ते हुए माना कि इसमें "कई हजार" लोग मारे गए हैं। हालांकि, उन्होंने अपनी गलती मानने के बजाय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर विद्रोह भड़काने और सैन्य सहायता का वादा करने का आरोप लगाया।

सम्पादकीय

दावोस की चुनौतियां

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक सोमवार से स्विट्जरलैंड के शहर दावोस में शुरू होने जा रही है। इस बैठक में दुनिया के लगभग 80 राष्ट्राध्यक्ष, राजनेताओं और उद्योगपतियों सहित 3000 से अधिक लोगों की मौजूदगी संभावित है। इस बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल होंगे। इस बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं ऊर्जा पर चर्चा होने की संभावना है किन्तु सबसे ज्यादा दिलचस्प बात यह है कि इसी बैठक में इस विषय पर भी चर्चा होनी है कि 'क्या भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।' भारत ने भी इस बैठक में शामिल होने के लिए एक दमदार टीम भेजी है जिसमें चार वेंद्रीय वैबिनेट मंत्री शिवराज सिह चौहान, अश्विनी वैष्णव, प्राह्लाद जोशी और राममोहन नायडू शामिल होंगे। इनके अलावा 6 मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस, हिमंत विश्व शर्मा, मोहन यादव, चंद्रबाबू नायडू, रेवन्त रेड्डी और हेमन्त सोरेन शामिल हैं। इस बैठक में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिव वुमार के शामिल होने की बात की जा रही है। इस टीम की विशेष बात यह है कि इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और 100 के करीब भारतीय उद्योगों के मुख्य कार्यकारी भी शामिल होंगे। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी भी शामिल हैं। इस बैठक में शामिल होने वाले 180 देशों में से जो विकसित देश हैं, उनके आर्थिक हित, विकासशील देशों के आर्थिक हितों से बिल्वुल भिन्न हैं। सच तो यह है कि विकसित देशों के आर्थिक हित विकासशील देशों के शोषण पर निर्भर होते हैं। ये विकसित देश जो खुद करते हैं, उसे न करने के लिए ही विकासशील देशों को नसीहत देते हैं। अपने किसानों को सब्सिडी देने वाले अमेरिका को यह नहीं अच्छा लगता कि विकासशील देश भी अपने किसानों को सब्सिडी दें या किसी भी तरह की सुरक्षा दें। ये विकसित देश इतने ढोंगी हैं कि विकासशील और अर्ध विकसित देशों पर दबाव डालते हैं कि वे अपने देश के उद्योगों में प्रातिस्पर्धा बढ़ाने के लिए उन्हें किसी भी तरह की सुरक्षा की गारंटी न दें। यही नहीं ये विकसित देश वैश्विक आर्थिक संस्थानों से कर्ज दिलाने की लालच तो देते हैं किन्तु साथ ही यह भी सुनिाित कर देते हैं कि विकासशील एवं अर्ध विकसित देश अपने देश में सभी तरह के उपभोक्ता टैक्स बढ़ा दें। मतलब यह कि विकासशील और अर्ध विकसित देश अपने देश की जनता को टैक्स के बोझ से दबा दें और विकसित देश तमाशा देखें। बड़ी हैरानी होती है कि जब जरूरतमंद देश अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष, विश्व बैंक एवं अन्य क्षेत्रीय विकास बैकों से कर्ज लेते हैं तो उन पर तमाम ऐसी शर्ते थोप दी जाती हैं जो विकसित देशों के हितों के अनुरूप थोप दी जाती हैं।

बहरहाल भारत की टीम में अनुभवी राजनेता भाजपा और कांग्रेस के अलावा तेलगूदेशम और झारखंड मुक्ति मोर्चा जैसे क्षेत्रीय पार्टियों के भी शामिल हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी टीम इंडिया की भावना से भारतीय किसानों, व्यवसायियों, विद्यार्थियों एवं सामान्य जन के हितों के लिए, सफलता के लिए हरसंभव प्रायास करेंगे। लगता है कि इस बार अमेरिका हमेशा की तरह यूरोपीय देशों का समर्थन हासिल नहीं कर पाएगा क्योंकि अब यूरोपीय यूनियन यह अच्छी तरह समझ चुका है कि अमेरिका को उनके हितों की नहीं बल्कि अपने हितों की चिन्ता है जो पूरी दुनिया को शिकार बनाने पर तुला है। यही कारण है कि इस बार अमेरिकी शोषण की प्रावृत्ति को आइना दिखाने में आसानी होगी। भारतीय टीम अपने आर्थिक हितों की सुरक्षा करने में सफल होगी।

'भाजपा नंबर 1 पार्टी', मुंबई मेयर पद को लेकर चल रही खींचतान के बीच एकनाथ शिंदे के बयान ने बढ़ाया सस्पेंस

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ी जीत हासिल की है। भाजपा ने मुंबई महानगरपालिका (BMC) में 89 सीटें जीतीं। वहीं, सहयोगी उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 29 सीटें मिलीं, जबकि उपमुख्यमंत्री अजीत पवार को महज 3 सीटें ही हासिल हो पाईं। इस चुनाव में महायुति की बड़ी जीत के बाद मुंबई में 'रिसॉर्ट की राजनीति' फिर लौट आई है। 29 सीटें जीतने वाले एकनाथ शिंदे खेमे ने अपने पार्षदों को मुंबई के एक पांच सितारा होटल में दो दिनों से रखा है जिससे तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थी।

भाजपा को 'नंबर एक पार्टी'

मेयर पद को लेकर चल रहे सस्पेंस के बीच रविवार को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का बयान सामने आया है। बीएमसी चुनावों के बाद दिए गए इस बयान में उन्होंने भाजपा को 'नंबर एक पार्टी' बताया। शिंदे ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे के आशीर्वाद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों के दम पर शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) कम समय में ही एक मजबूत दल के रूप में उभरी है।

जीते हुए पार्षदों से क्या बोले शिंदे?

एकनाथ शिंदे के अनुसार, अब तक हुए चुनावों में उनकी पार्टी दूसरे स्थान पर रही है, जो आगामी चुनावों की एक महत्वपूर्ण भूमिका तय करती है। उन्होंने नव-निर्वाचित नगरसेवकों से कहा कि वे अपने-अपने प्रभाग की जिम्मेदारी गंभीरता से निभाएं और सक्रिय रूप से जनता के बीच जाकर काम करें।शिंदे ने पार्षदों को नसीहत देते हुए साफ कहा कि उनके व्यवहार और बोलचाल पर नागरिकों की पैनी नजर रहती है। ऐसे में किसी भी प्रकार की गलती या आरोप से बचने का ध्यान रखना चाहिए।

मुंबई का मेयर कौन होगा?

इसके साथ ही एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने घोषणा की कि मुंबई का अगला मेयर 'महायुति' से होगा। उन्होंने बताया कि सोमवार (18 जनवरी) को गट का औपचारिक गठन किया जाना है, और वे सभी सदस्यों से मिलने वाले हैं। इससे पहले, उन्होंने चुने हुए नगरसेवकों के साथ बैठक की, जिसमें मुंबई के विकास की रणनीतियों पर विशेष चर्चा हुई।

शिंदे शिवसेना ने पार्षदों को क्यों होटल में ठहराया है?

बता दें शिवसेना (शिंदे गुट) के नवनिर्वाचित पार्षदों को एक होटल में ठहराया गया है, जिस पर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने आरोप लगाया है कि पार्षदों को 'बंधक' बनाया जा रहा है। इन आरोपों पर शिंदे गुट ने अपनी सफाई दी है। शिवसेना प्रवक्ता शीतल म्हात्रे ने स्पष्ट किया कि पार्षदों को बंधक नहीं बनाया गया है, बल्कि उन्हें एक खास मकसद से होटल में रखा गया है। यह व्यवस्था भावी मेयर चुनाव से पहले पार्षदों को प्रशिक्षित करने के लिए की गई है।

प्रवक्ता शीतल म्हात्रे ने बताया कि होटल में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इसका उद्देश्य नवनिर्वाचित पार्षदों को बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के कामकाज, उसके नियमों और विनियमों से अवगत कराना है। उन्हें यह भी सिखाया जाएगा कि बैठकों में कैसे भाग लें और विभिन्न मुद्दों पर अपने सवाल प्रभावी ढंग से कैसे उठाएं।

इस कार्यशाला के दौरान, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे स्वयं पार्षदों से मुलाकात करेंगे। वे उन्हें नगर निगम के दायित्वों और लक्ष्यों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। यह पहल यह सुनिश्चित करने के लिए की गई है कि सभी नवनिर्वाचित पार्षद अपने कर्तव्यों को कुशलता से निभा सकें।

उद्धव के बयान ने बढ़ाई टेंशन

गौरतलब है कि बीएमसी चुनाव के नतीजों में भाजपा और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना गठबंधन ने 227 सदस्यीय निगम में स्पष्ट बहुमत हासिल किया था। भाजपा को 89 और शिंदे गुट को 29 सीटें मिली थीं। इसके बावजूद, उद्धव ठाकरे ने अगले मेयर को लेकर सस्पेंस बरकरार रखते हुए कहा था कि अगर 'देवा' (भगवान) की इच्छा हुई, तो महापौर उनकी पार्टी का भी हो सकता है। यह उनका मुंबई में शिवसेना (उबाठा) का महापौर बनाने का सपना है।

आईएनएस सागरध्वनि सागर मैत्री V के लिए रवाना

(जीएनएस)।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की नेवल फिजिकल एंड ओशनोग्राफिक लेबोरेटरी (एनपीओएल) का भारत का समुद्र विज्ञान अनुसंधान पोत आईएनएस सागरध्वनि, 17 जनवरी 2026 को दक्षिणी नौसेना कमान, कोच्चि से सागर मैत्री (रट-5) पहल के पांचवें संस्करण के लिए रवाना हुआ।

इस पोत को माननीय संसद सदस्य और रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री राधा मोहन सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति के माननीय सदस्य, डॉ. समीर वी. कामत, सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग और अध्यक्ष डीआरडीओ; रियर एडमिरल उपल कुंडू, चीफ ऑफ स्टाफ, दक्षिणी नौसेना कमान; डॉ. आर. वी. हारा प्रसाद, महानिदेशक (नौसेना प्रणाली और सामग्री); और डॉ. दुव्वुरी शेषागिरी, निदेशक, एनपीओएल के साथ भारतीय नौसेना और डीआरडीओ के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

सागर मैत्री भारतीय नौसेना और डीआरडीओ की प्रमुख सहयोगी पहल है, जो भारत सरकार के 'क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए आपसी और समग्र उन्नति (टअळअरअॠअफ)' के विजन के अनुरूप है। इस पहल का उद्देश्य हिंद महासागर रिम (आईओआर) देशों के बीच सामाजिक-आर्थिक पहलुओं में घनिष्ठ सहयोग और विशेष रूप से समुद्र अनुसंधान में अधिक वैज्ञानिक बातचीत को बढ़ावा देना है।

नेवल फिजिकल एंड ओशनोग्राफिक लेबोरेटरी (एनपीओएल), कोच्चि, आईओआर देशों के बीच वैज्ञानिक सहयोग और क्षमता निर्माण को मजबूत करने के उद्देश्य से सागर मैत्री कार्यक्रम के

तहत समुद्र विज्ञान मिशन चला रही है। इस कार्यक्रम के तहत, डीआरडीओ ने समुद्र अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में आईओआर देशों के साथ दीर्घकालिक सहयोग स्थापित करने के लिए ' मैत्री' टअक्ळफक्र यानी मरीन एंड एलाइड इंटरडिसिप्लिनरी ट्रेनिंग एंड रिसर्च इनिशिएटिव)' नामक वैज्ञानिक घटक शुरू किया है।

सागर मैत्री कार्यक्रम के तहत, आईएनएस सागरध्वनि आईएनएस कृष्णा के ऐतिहासिक रास्तों पर फिर से चलेगी, जिसने 1962-65 के दौरान अंतरराष्ट्रीय हिंद महासागर अभियान में हिस्सा लिया था। इस पहल का उद्देश्य आठ आईओआर देशों, यानी ओमान, मालदीव, श्रीलंका, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया और म्यांमार के साथ लगातार वैज्ञानिक सहयोग करना है। यह मिशन मालदीव के साथ सहयोगी समुद्र विज्ञान अध्ययनों की शुरूआत करता है, जिससे आईओआर देशों के वैज्ञानिकों के बीच संयुक्त अनुसंधान और पेशेवर आदान-प्रदान संभव होगा।

सागर मैत्री भारतीय नौसेना के लिए प्रासंगिक अंडरवाटर डोमेन अवेयरनेस (यूडीए) हासिल करने की दिशा में डीआरडीओ के प्रयासों का मुख्य केंद्र है। इन मिशनों के दौरान, डीआरडीओ के अनुसंधान पोत आईएनएस सागरध्वनि द्वारा तय किए गए ऑब्जर्वेशनल ट्रैक पर महत्वपूर्ण समुद्र विज्ञान और ध्वनिक डेटा इकट्ठा किया जाता है, जो यूडीए से संबंधित नियोजित वैज्ञानिक उद्देश्यों के अनुरूप होता है।

आईएनएस सागरध्वनि विशेष समुद्री ध्वनिक अनुसंधान पोत है जिसे एनपीओएल ने डिजाइन किया है और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने बनाया है। जुलाई 1994 में कमीशन किया गया यह जहाज तीन दशकों से अधिक समय से समुद्री अवलोकन और समुद्री अनुसंधान के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में काम कर रहा है, जिसने भारत की समुद्री वैज्ञानिक क्षमताओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

रक्षा राज्य मंत्री ने गणतंत्र दिवस शिविर 2026 में एनसीसी कैडेटों से बातचीत की

'आप भारत के गौरवशाली अतीत और उसके उज्ज्वल भविष्य के बीच जीवंत सेतु हैं' - आरआरएम ने कैडेटों से कहा

(जीएनएस)।

रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने 18 जनवरी, 2026 को दिल्ली छावनी स्थित राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी) का दौरा किया। उनके आगमन पर, एनसीसी कैडेटों ने उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया जिसके बाद ग्वालियर के सिंधिया स्कूल के कैडेटों ने एक शानदार बैंड प्रस्तुति दी।

अधिकारियों और कैडेटों को संबोधित करते हुए रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल एक राष्ट्रीय त्योहार नहीं, बल्कि संविधान और हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि है। एनसीसी कैडेटों की भूमिका के बारे में बोलते हुए उन्होंने एनसीसी कैडेटों को भारत के गौरवशाली अतीत और उज्ज्वल भविष्य के बीच एक जीवंत सेतु बताया और गणतंत्र दिवस शिविर को भारत के युवाओं के अनुशासन, प्रतिबद्धता और नेतृत्व क्षमता का प्रतिबिंब बताया। उन्होंने कैडेटों को स्वदेशी

सोच के साथ स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों के चलते पिछले दशक में भारतीय स्टार्टअपों की संख्या में 800 से बढ़कर 2 लाख से अधिक होने का उदाहरण दिया।

श्री संजय सेठ ने वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथॉन में भाग लेने वाले 15 कैडेटों की सराहना की जिन्होंने रांची से दिल्ली तक 1300 किलोमीटर की दूरी तय करके राष्ट्रीय एकता और वीर बिरसा मुंडा के मूल्यों का प्रसार किया। उन्होंने 2025 में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले 10 एनसीसी कैडेटों की भी प्रशंसा की।

अपने समापन भाषण में, रक्षा राज्य मंत्री ने कैडेटों से भविष्य की चुनौतियों का सामना करते हुए कर्तव्य, देशभक्ति और संवैधानिक मूल्यों के प्रति दृढ़ रहने का आग्रह किया और 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए इस संकल्प और कड़ी मेहनत को आगे बढ़ाने का आ'ान किया। उन्होंने भावी पीढ़ी के नेतृ व को आकार देने के लिए एनसीसी के अधिकारियों और प्रशिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। तिरंगे के सम्मान और गरिमा को बनाए रखने का आ'ान करते हुए, उन्होंने एक मजबूत और अधिक समृद्ध भारत के निर्माण की दिशा में ईमानदारी के साथ निरंतर सेवा करने की अपील की।

इस दौरे के हिस्से के रूप में, आरआरएम ने 'फ्लैग एरिया' का भी दौरा किया, जिसे सभी 17 निदेशालयों के कैडेटों ने विभिन्न सामाजिक जागरूकता विषयों पर सावधानीपूर्वक तैयार किया और उन् होंने 'हॉल ऑफ फेम' का भी दौरा किया, जहां कैडेटों ने एनसीसी के गौरवशाली इतिहास, प्रशिक्षण गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में बताया।

विद्युत वितरण कंपनियों ने वर्षों के घाटे के बाद सकारात्मक लाभ प्राप्ति किया; यह एक नए अध्याय की शुरूआत है : विद्युत मंत्री

वितरण क्षेत्र में कई पहलों से प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों में सुधार हुआ है

(जीएनएस)।

देश की विद्युत वितरण कंपनियों (डिस्कॉम और विद्युत विभाग) ने वित्त वर्ष 2024-25 में सामूहिक रूप से 2,701 करोड़ रुपये का सकारात्मक कर पश्चात लाभ (पीएटी) प्राप् त किया है। यह इस क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। राज्य विद्युत बोर्डों के विभाजन और निगमीकरण के बाद से पिछले कई वर्षों से वितरण कंपनियां समग्र रूप से पीएटी घाटे में चल रही थी।

वित्त वर्ष 2024-25 में 2,701 करोड़ रुपये का सकारात्मक लाभ (पीएटी) दर्ज किया गया जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में 25,553 करोड़ रुपये का घाटा और वित्त वर्ष 2013-14 में 67,962 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

इस पर टिप्पणी करते हुए केंद्रीय विद्युत मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि यह वितरण क्षेत्र के लिए एक नया

अध्याय है और वितरण क्षेत्र की चिंताओं को दूर करने के लिए किए गए कई प्रयासों का परिणाम है।

मंत्री महोदय ने कहा कि यह उपलब्धि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और दूरदर्शिता के कारण संभव हुई है। उन्होंने इसे अपने शब्दों में व्यक्त किया हैः ह्लभारत न केवल अपनी बल्कि विश्व की भी विकास यात्रा को गति दे रहा है। जिसमें ऊर्जा क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।'

श्री मनोहर लाल ने कहा कि सरकार इस क्षेत्र में आवश्यक सुधारों के लिए प्रतिबद्ध है ताकि विद्युत क्षेत्र हमारी बढ़ती अर्थव्यवस्था को सहयोग दे सके और विकसित भारत की दिशा में अपना योगदान दे सके।

वितरण क्षेत्र में पहलें

वितरण क्षेत्र में किए गए कुछ परिवर्तनकारी पहलों में निम्नलिखित शामिल हैंः

पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस): अवसंरचना के आधुनिकीकरण और त्वरित स्मार्ट मीटरिंग के माध्यम से वित्तीय व्यवहार्यता को बढ़ाना।

अतिरिक्त विवेकपूर्ण मानदंडः वित्तीय और परिचालन अनुशासन को बढ़ावा देने के लिए विद्युत क्षेत्र की उपयोगिताओं के लिए वित्त तक पहुंच को प्रदर्शन मानकों के उपलब्धि से जोड़ना।

विद्युत नियमों में संशोधनः पूर्ण लागत वसूली सुनिश्चित करने के लिए समय पर लागत समायोजन, विवेकपूर्ण शुल् क संरचना और पारदर्शी अनुदान लेखांकन को लागू करना।

विद्युत वितरण (लेखा एवं अतिरिक्त प्रकटीकरण) नियम, 2025: बेहतर वित्तीय संचालन के लिए वितरण उपयोगिताओं में एकसमान लेखांकन और पारदर्शिता बढ़ाना।

भारतीय रेलवे ने ट्रैक के आधुनिकीकरण और सुरक्षा में महत्वपूर्ण प्रगति की है

निरंतर निवेश से रेल सुरक्षा मजबूत हुई है, 2024-25 में 6,851 किमी ट्रैक के नवीनीकरण का कार्य पूरा हो चुका है और 7,500 किमी से अधिक ट्रैक पर काम जारी है और अगले दो वर्षों में 7,900 किमी ट्रैक की योजना बनाई गई है, जिससे कार्यों में तेजी आई है

उच्च गति क्षमता वाले ट्रैक की लंबाई 2014 में 31,445 किमी से बढ़कर अब लगभग दोगुनी होकर 84,244 किमी हो गई है, जिससे राष्ट्रीय रेल नेटवर्क के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से पर 110 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति से परिचालन संभव हो गया है

(जीएनएस)।

भारतीय रेलवे ने पिछले ग्यारह वर्षों में निरंतर निवेश और सुनियोजित क्रियान्वयन के माध्यम से अपनी पटरी अवसंरचना को मजबूत करने और सुरक्षा मानकों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इन प्रयासों से देश भर में रेल संचालन अधिक सुरक्षित, तेज और विश्वसनीय हो पाया है।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, भारतीय रेलवे ने 6,851 किलोमीटर से अधिक पटरियों का नवीनीकरण किया। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में, 7,500 किलोमीटर से अधिक पटरियों के नवीनीकरण का कार्य जारी है। इसके अतिरिक्त, 2026-27 में 7,900 किलोमीटर पटरियों के नवीनीकरण की योजना है। यह परिसंपत्तियों की विश्वसनीयता और सुरक्षा पर निरंतर जोर को दशार्ता है।

रेलगाड़ियों की सुचारू आवाजाही के लिए महत्वपूर्ण विस् तारि त रेल मार्ग के नवीनीकरण में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। 2024-25 में 7,161 थिक वेब स्विच और 1,704 वेल्डेबल सीएमएस क्रॉसिंग स्थापित किए गए। 2025-26 में 8,000 से अधिक थिक वेब स्विच और 3,000 से अधिक वेल्डेबल सीएमएस क्रॉसिंग स्थापित किए जा रहे हैं।

पटरी की स्थिरता बनाए रखने और सवारी की गुणवत्ता में सुधार के लिए आवश्यक गिट्टी की मशीनीकृत गहन जांच लगातार की जा रही है। 2024-25 के दौरान 7,442 किलोमीटर पटरी की गहन जांच पूरी की गई, जबकि 2025-26 में 7,500 किलोमीटर से अधिक पटरी की गहन जांच का काम जारी है।

भारतीय रेलवे ने यंत्रीकृत रखरखाव को बढ़ावा देने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए अपने ट्रैक मशीन बेड़े का काफी विस्तार किया है। 2014 से अब तक 1,100 से अधिक ट्रैक मशीनें खरीदी जा चुकी हैं जिससे रेलवे नेटवर्क का रखरखाव तेज और अधिक कुशल तरीके से हो सकेगा।

रेलवे पटरी के किनारे सुरक्षा बाड़ लगाने का काम प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है ताकि मवेशियों के कुचले जाने और पटरियों पर अनाधिकृत प्रवेश की घटनाओं को कम किया जा सके और समग्र सुरक्षा को बढ़ाया जा सके। अब तक लगभग 15,000 किलोमीटर की बाड़ लगाई जा चुकी है, जिससे उन खंडों पर सुरक्षा में सुधार हुआ है जहां ट्रेनें 110 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति से चलती हैं।

इन निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप, भारतीय रेलवे ने पटरियों के उन्नयन में उल्लेखनीय प्रगति की है। 110 किमी प्रति घंटे और उससे अधिक की गति क्षमता वाली पटरियों की लंबाई 2014 में 31,445 किलोमीटर (नेटवर्क का लगभग 40 प्रतिशत) से बढ़कर वर्तमान में 84,244 किलोमीटर (नेटवर्क का लगभग 80 प्रतिशत) हो गई है जिससे ट्रेनों का संचालन तेज और अधिक कुशल हो गया है।

इंडियास्किल्स 2025-26: पूर्वोत्तर क्षेत्रीय प्रतियोगिता 19-22 जनवरी तक असम के गौहाटी विश्वविद्यालय में आयोजित की जाएगी

(जीएनएस)।

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय द्वारा 19 से 22 जनवरी 2026 तक गौहाटी विश्वविद्यालय में इंडियास्किल्स 2025-26 की पूर्वोत्तर क्षेत्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता भारत के राष्ट्रीय स्किलिंग इकोसिस्टम में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। यह पहली बार है कि एक समर्पित इंडियास्किल्स क्षेत्रीय प्रतियोगिता विशेष रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए आयोजित की जा रही है, जिसमें सभी आठ उत्तर पूर्वोत्तर राज्यों की भागीदारी है। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) इंडियास्किल्स प्रतियोगिता 2025-26 के लिए नॉलेज पार्टनर और इम्प्लीमेंट एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है। यह प्रतियोगिता सभी आठ पूर्वोत्तर राज्यों के कुशल युवाओं को क्षेत्रीय प्रतिभा और उत्कृष्टता का जश्न मनाने वाले राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म पर 26 स्किल कैटेगरी में प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक साथ लाएगी।

इस प्रतियोगिता का उद्घाटन 19 जनवरी 2026 को भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयन्त चौधरी द्वारा किया जाएगा। यह देश के उभरते क्षेत्रों में

कौशल विकास, क्षेत्रीय समावेशन और प्रतिस्पर्धी उत्कृष्टता को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती हेना उस्मान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। पूर्वोत्तर क्षेत्रीय प्रतियोगिता उभरते हुए क्षेत्रों में भारत के स्किलिंग आर्किटेक्चर को गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इंडियास्किल्स देश की प्रमुख राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता फ्रेमवर्क है, जिसे विश्व कौशल प्रतियोगिता सहित जमीनी स्तर से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्लेटफार्मों तक कुशल युवाओं के लिए एक स्ट्रक्चर्ड प्रोग्रेस पाथवे तैयार करते हुए, वैश्विक मानकों के अनुसार भारत की सर्वश्रेष्ठ वोकेशनल टैलेंट को पहचानने, बढ़ावा देने और बेंचमार्क करने के लिए डिजाइन किया गया है। चल रही इंडियास्किल्स प्रतियोगिता 2025-26 में अब तक की सबसे व्यापक भागीदारी देखी गई है, जिसमें स्किल इंडिया डिजिटल हब के माध्यम से 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 63 स्किल कैटेगरी में 3.65 लाख उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

यह प्रतियोगिता 19 जनवरी को एक परिचय कार्यक्रम के साथ शुरू होगी, जिसके बाद बी.के.बी ऑडिटोरियम, गौहाटी विश्वविद्यालय में उद्घाटन समारोह होगा। इस क्षेत्रीय प्रतियोगिता को प्रतिभागियों के लिए भौगोलिक और लॉजिस्टिकल रुकावटों को कम करने, पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्किल इकोसिस्टम को मजबूत करने और इंडस्ट्री की मांग और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के हिसाब से क्षेत्र-विशिष्ट को मजबूती देने और उच्च-क्षमता वाले उम्मीदवारों की पहचान

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की

प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हो गई। अफसरों से भी झड़प हुई। इसके बाद पुलिस ने शिष्यों को दौड़ाकर पकड़ लिया और उन्हें हिरासत में ले लिया। एक साधु को पुलिस ने चौकी में गिरा-गिराकर पीटा।

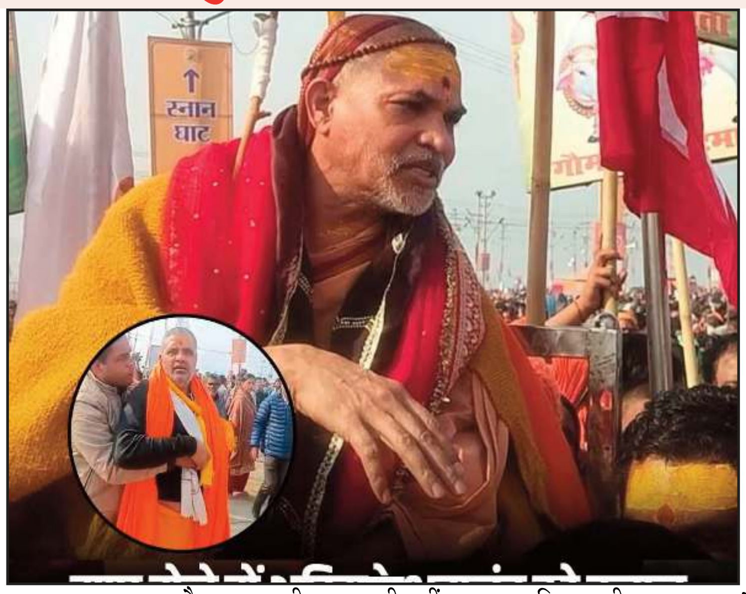

इसके बाद शंकराचार्य नाराज हो गए और शिष्यों को छुड़वाने पर अड़ गए। उन्हें अफसरों ने समझाने की हर कोशिश की, हाथ जोड़े, लेकिन वे नहीं माने। करीब 2 घंटे तक गहमा-गहमी चलती रही। इसके बाद पुलिस ने शंकराचार्य के सभी समर्थकों को हिरासत में ले लिया।

बाद में शंकराचार्य की पालकी को खींचते हुए संगम से 1 किमी दूर ले जाया गया। इस दौरान पालकी का क्षत्रप भी टूट गया। शंकराचार्य स्नान भी नहीं कर पाए। विवाद की शुरूआत में पुलिस ने भीड़ को देखते हुए शंकराचार्य को रथ से उतरकर पैदल जाने को कहा था, लेकिन शिष्य नहीं माने और आगे बढ़ने लगे। इस पर बहस हुई, फिर देखते ही देखते धक्का-मुक्की शुरू हो गई।

शंकराचार्य ने कहा कि, बड़े-बड़े अधिकारी हमारे संतों को मार रहे थे। पहले तो हम लौट रहे थे, लेकिन अब स्नान करेंगे और कहीं नहीं जाएंगे। वे हमें रोक नहीं पाएंगे।

इनको ऊपर से आदेश होगा कि इन्हें परेशान करो। यह सरकार के इशारे पर हो रहा है, क्योंकि वे हमसे नाराज हैं। जब महाकुंभ में भगदड़ मची थी, तो मैंने उन्हें जिम्मेदार ठहराया था। अब वे बदला निकालने के लिए अधिकारियों से कह रहे होंगे।

भाजपा सरकार ने अरविंद केजरीवाल का कार्यक्रम स्थल रद्द करवाया : गोपाल इटालिया

(जीएनएस)।

जहां कार्यकर्ता सम्मेलन होने वाला था, वहां की अनुमति सरकार ने रद्द की : गोपाल इटालिया

रात के अंधेरे में पुलिस ने कार्यक्रम स्थल पर छापा मारा : गोपाल इटालिया

कार्यक्रम स्थल के मालिक को धमकी दी गई : गोपाल इटालिया

AAP की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा डर गई है : गोपाल इटालिया

AAP का बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन अब दूसरी जगह होगा : गोपाल इटालिया

अब कार्यक्रम अहमदाबाद के नरोडा-निकोल की बजाय साणंद के लोदरियाल गांव में आयोजित होगा : गोपाल इटालिया

अहमदाबाद / गुजरात

आम आदमी पार्टी के विसावदर से विधायक गोपाल इटालिया ने पत्रकार परिषद में बताया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल जी की प्रेरक उपस्थिति में अहमदाबाद के निकोल क्षेत्र में बूथ कार्यकताओं की बैठक आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम की सभी तैयारियां लगभग 20 से 25 दिन पहले पूरी कर ली गई थीं। कार्यक्रम के लिए निजी पार्टी प्लॉट बुक किया गया था, पुलिस को पहले से सूचना दी गई थी तथा साउंड, कुर्सियों सहित सभी व्यवस्थाएं तय कर ली गई थीं। लेकिन अंतिम समय में भाजपा के लोगों द्वारा पार्टी प्लॉट के मालिक को धमकी और दबाव दिए जाने के कारण कार्यक्रम रद्द करवा दिया गया। पुलिस भेजकर क्षेत्र में भय का माहौल बनाया गया, जो लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है।

विधायक गोपाल इटालिया ने आगे कहा कि भारत के प्रत्येक राजनीतिक दल को अपने कार्यक्रम आयोजित करने का संवैधानिक अधिकार है। आम आदमी पार्टी एक राष्ट्रीय पार्टी है और गुजरात में 42 लाख से अधिक लोगों ने पार्टी को वोट दिया है। जनता द्वारा चुनी गई विपक्षी पार्टी के लोकतांत्रिक अधिकारों पर इस तरह दबाव बनाना अनुचित है। अब अरविंद केजरीवाल जी का कार्यक्रम साणंद के लोदरियाल गांव में शाम 4 बजे आयोजित होगा। भाजपा हमारे नेताओं को जेल भेजे या कार्यक्रम रद्द करवाए, इससे हम डरने वाले नहीं हैं।

आम आदमी पार्टी गुजरात

जनहित में अनुकरणीय पहल: सेवार्थम फाउंडेशन ने जरूरतमंदों को दिया सहारा

सुलतानपुर लम्भुआ अर्जुनपुर।

आज के दौर में जब सरकारी योजनाएं भी कई बार जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पातीं, ऐसे समय में सेवार्थम फाउंडेशन द्वारा किया गया सेवा कार्य समाज के लिए मिसाल बनकर सामने आया है। डॉ. आशीष तिवारी के प्रेरणा व मार्गदर्शन में शनिवार, 18 जनवरी 2026 को अर्जुनपुर में आयोजित कार्यक्रम में जरूरतमंद और असहाय लोगों को कान की मशीन (हियरिंग एड) एवं मच्छरदानी का निःशुल्क वितरण किया गया।

यह कार्यक्रम अर्जुनपुर पेट्रोल पंप के पास स्थित आदित्य इंटरप्राइजेज एंड फर्नीचर्स परिसर में प्रातः 10 बजे संपन्न हुआ। इस पहल से जहां एक ओर बुजुर्गों और दिव्यांगों को सुनने की नई उम्मीद मिली, वहीं मच्छरदानी वितरण से गरीब परिवारों को बीमारियों से बचाव का सहारा भी मिला।

कार्यक्रम में मौजूद स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों ने कहा कि ऐसी पहलें ही असल मायनों में जनता के हित में होती हैं, जो सीधे जरूरतमंद तक मदद पहुंचाती हैं। सेवार्थम फाउंडेशन के इस प्रयास ने यह साबित किया कि अगर नीयत साफ हो तो सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि संस्था आगे भी स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। जनहित में किया गया यह प्रयास न सिर्फ सराहनीय है, बल्कि अन्य सामाजिक संगठनों के लिए भी प्रेरणा है।

रायबरेली-ऊंचाहार मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में उमड़ा युवाओं का उत्साह, एसडीएम ने परखी व्यवस्थाएं

रायबरेली-ऊंचाहार मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में उमड़ा युवाओं का उत्साह, एसडीएम ने परखी व्यवस्थाएं

(जीएनएस)।

ऊंचाहार (रायबरेली)। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुपालन में रायबरेली जिले के ऊंचाहार तहसील क्षेत्र के अंतर्गत 'विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026' पूरी सक्रियता के साथ संचालित किया जा रहा है। रविवार को अवकाश का दिन होने के बावजूद तहसील के खोजनपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में नए मतदाताओं में सूची में नाम जुड़वाने को लेकर अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। विशेषकर पहली बार मतदाता बनने जा रहे युवाओं ने भारी संख्या में शिविरों में पहुँचकर अपनी लोकतांत्रिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उत्साह दिखाया।

इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य 1 जनवरी 2026 को अर्हता तिथि मानते हुए विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों (वोटर लिस्ट) को पूरी तरह अपडेट और त्रुटिहीन बनाना है। इसे लेकर तहसील प्रशासन पूरी तरह गंभीर नजर आ रहा है। क्षेत्र के अलग-अलग विद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर विशेष शिविर लगाए गए हैं, जहाँ बीएलओ (इछड) द्वारा नाम जोड़ने और संशोधन का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है।

प्रशासनिक मुस्तैदी का जायजा लेने के लिए रविवार को उपजिलाधिकारी (एसडीएम) राजेश कुमार श्रीवास्तव ने स्वयं मोर्चा संभाला। उन्होंने पूरब गाँव में आयोजित विशेष शिविर का औचक निरीक्षण किया और बीएलओ के रजिस्टर व अब तक प्राप्त हुए आवेदनों की बारीकी से जांच की। एसडीएम के निदेर्शों के क्रम में नायब तहसीलदार शम्भू शरण पाण्डेय और लेखपाल प्रमोद गुप्ता ने भी क्षेत्र के विभिन्न बूथों का सघन निरीक्षण किया और मौके पर मौजूद कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसडीएम राजेश कुमार श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि यह विशेष अभियान 06 जनवरी 2026 से शुरू हुआ है और 06 फरवरी 2026 तक निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने क्षेत्र की जनता, विशेषकर युवाओं से अपील की कि जिनकी आयु 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही है, वे अपना नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। इसके साथ ही, सूची में नाम जोड़ने, विलोपित करने या किसी भी प्रकार के संशोधन के लिए भी आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। एसडीएम ने बीएलओ और सभी लेखपाल सुपरवाइजरों को कड़ी हिदायत दी है कि कार्य में पूर्ण पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रहे।

सांसद राम भुआल निषाद ने सुल्तानपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में की सहभागिता

जनसेवा मेरा कर्तव्य नहीं, जीवन का उद्देश्य है सांसद

लम्भुआ सुलतानपुर

सुल्तानपुर।माननीय सांसद राम भुआल निषाद ने अपने संसदीय लोकसभा क्षेत्र सुल्तानपुर के दौरे के दौरान विभिन्न जनहित व सामाजिक कार्यक्रमों में सहभागिता की। जनपद आगमन पर कार्यकताओं व समर्थकों ने उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। सांसद ने मिले स्नेह व अपनत्व के लिए जनता के प्रति आभार व्यक्त किया।

सांसद राम भुआल निषाद ने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस (डाक बंगला) सुल्तानपुर में देवतुल्य जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।

इसके उपरांत ग्राम पंचायत बेलहरी के ग्राम रेवारी में समाजवादी क्रांतिकारी रणविजय यादव उर्फ 'हीरो गांधी' की पुण्यतिथि पर पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। सांसद ने कहा कि हीरो गांधी जी का जीवन संघर्ष, सिद्धांत और जनसेवा को समर्पित रहा, जिसे समाजवादी परिवार सदैव स्मरण रखेगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सांसद ने विधानसभा जयसिंहपुर के बरौसा स्थित गिरधारी लाल स्टेडियम पहुंचकर क्रिकेट टूनार्मेंट का रिबन काटकर उद्घाटन किया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। वहीं विधानसभा लंभुआ के रामपुर कुर्मियांन में भी क्रिकेट टूनार्मेंट का उद्घाटन करते हुए खिलाड़ियों को संबोधित किया।

सांसद ने कहा कि खेल जीवन में आनंद और उत्साह का संचार करते हैं। खेल शरीर को स्वस्थ, मन को मजबूत और आत्मा को प्रसन्नता से भर देते हैं।

दौरे के अंत में सांसद राम भुआल निषाद ने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस सुल्तानपुर में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

मादक द्रव्यों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान को और अधिक गति दी गई

लखनऊ

एसीपी महानगर अंकित कुमार के निर्देशन एवं थाना प्रभारी महानगर अखिलेश कुमार मिश्रा के कुशल नेतृत्व में मादक द्रव्यों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान को और अधिक गति दी गई..

इस क्रम में चौकी इंचार्ज निशातगंज सत्येंद्र कुमार, चौकी इंचार्ज न्यू हैदराबाद अरुण सरोज,गोल मार्केट चौकी इंचार्ज आर्यन शर्मा, उपनिरीक्षक राजेंद्र प्रसाद सहित महानगर पुलिस टीम ने मेवा नर्सरी सोसाइटी क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए नशा नियंत्रण को लेकर सघन कार्रवाई की..

अभियान के दौरान पुलिस ने स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर उन्हें अभियान की प्रगति से अवगत कराया और सहयोग की अपील की। पुलिस ने स्पष्ट संदेश दिया कि नशा कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा..

पुलिस की इस पहल से क्षेत्रवासियों में सुरक्षा और विश्वास का माहौल और अधिक मजबूत हुआ है..

60 घर अंधेरे में, कभी भी हो सकती है बड़ी दुर्घटना

लम्भुआ (सुलतानपुर)।

परसरामपुर क्षेत्र के कृष्णा नगर में बिजली विभाग की गंभीर लापरवाही लोगों की जान पर भारी पड़ सकती है। यहां बीते 7 दिनों के भीतर तीन बार ट्रांसफार्मर फूंक चुका है, लेकिन इसके बावजूद विभाग ने अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पूरे मोहल्ले की बिजली सप्लाई पूरी तरह जर्जर तारों के भरोसे चल रही है। ये तार वर्षों पुराने, झूलते हुए और क्षमता से अधिक लोड झेल रहे हैं। इसी कारण बार-बार ट्रांसफार्मर जल रहा है, लेकिन विभाग हर बार सिर्फ ट्रांसफार्मर बदलकर औपचारिकता निभा रहा है।

स्थिति यह है कि करीब 60 परिवार लगातार अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। बच्चों की पढ़ाई, बुजुर्गों की परेशानी और रोजमर्रा का जीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि एक दिन पहले तो गांव बाल-बाल आग लगने की बड़ी घटना से बचा, चिंगारी गिरते ही लोग दहशत में आ गए थे।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन न तो जर्जर तार बदले गए और न ही लाइन को सुरक्षित किया गया। लोगों का आरोप है कि विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

ग्रामीणों में आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही जर्जर तारों को बदलकर सुरक्षित लाइन नहीं डाली गई, तो वे मजबूरन विभागीय कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन करेंगे। सूर्य प्रताप यादव अजय यादव राम अवध यादव राम आशीष यादव रामाशंकर यादव सुरेश यादव पवन यादव श्याम लाल यादव रामदयाल यादव रामकुमार यादव रामचंद्र यादव

राजकुमार राव और पत्रलेखा ने अल्फा जेन बेटी का रखा ऐसा नाम, जिसे जान उनके फैंस भी हो जाएंगे गदगद

(जीएनएस)।

राजकुमार राव और पत्रलेखा ने अपनी निजी ज़िंदगी की सबसे खूबसूरत खुशखबरी साझा करते हुए अपनी बेटी के नाम का ऐलान कर दिया है। इस सेलिब्रिटी कपल ने इंस्टाग्राम पर अपनी नन्ही परी की पहली भावनात्मक झलक साझा की और बताया कि उनकी बेटी का नाम 'पर्वती पॉल राव' रखा गया है। इस पोस्ट के साथ ही दोनों ने अपने प्रशंसकों को माता-पिता बनने की अपनी सबसे बड़ी खुशी से रूबरू कराया।

साझा की गई तस्वीर बेहद सादगी और भावनाओं से भरी हुई है। फोटो में बच्ची का चेहरा दिखाई नहीं दे रहा, लेकिन उसकी छोटी-सी उंगलियां अपने माता-पिता की उंगलियों को थामे हुए नजर आ रही हैं। यह दृश्य नए माता-पिता के बीच बने गहरे रिश्ते और प्रेम को दशार्ता है। तस्वीर की कोमलता और भावनात्मक गहराई ने प्रशंसकों का दिल जीत लिया है।

इस तस्वीर के साथ राजकुमार और पत्रलेखा ने लिखा, "हाथ जोड़कर और पूरे दिल से, हम अपने सबसे बड़े आशीर्वाद का परिचय कराते हैं।" इसके साथ उन्होंने अपनी बेटी का नाम 'पर्वती पॉल राव' बताते हुए दिल और प्रार्थना वाले इमोजी जोड़े, जिसने इस पल को और भी खास बना दिया।

'पर्वती' नाम भारतीय परंपरा में शक्ति, करुणा और भक्ति का प्रतीक माना जाता है। वहीं 'पॉल' और 'राव' दोनों माता-पिता के पारिवारिक नामों को दशार्ते हैं। नाम के ऐलान के साथ ही सोशल मीडिया पर बधाइयों की बाढ़ आ गई। फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई कलाकारों और प्रशंसकों ने इस जोड़े को ढेरों शुभकामनाएं दीं।

राजकुमार राव और पत्रलेखा ने नवंबर 2025 में अपनी बेटी का स्वागत किया था। खास बात यह है कि उनकी बेटी ने दुनिया में कदम उनकी चौथी शादी की सालगिरह के दिन रखा। कपल ने उस समय लिखा था कि ईश्वर ने उन्हें इस खास दिन पर सबसे बड़ा उपहार दिया है और वे इस खुशी से अभिभूत हैं।

दोनों की प्रेम कहानी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। सालों पहले मुलाकात के बाद उनका रिश्ता धीरे-धीरे गहराता गया। 2014 में फिल्म 'सिटीलाइट्स' के दौरान उनका रिश्ता मजबूत हुआ और नवंबर 2021 में उन्होंने शादी कर ली।

गरुड़ रेजिमेंटल ट्रेनिंग सेंटर, वायुसेना स्टेशन, चांदीनगर में मैरून बेरेट की औपचारिक परेड

(जीएनएस)।

1. वायु सेना के 'गरुड़' बल के विशेष बलों के कर्मियों के प्रशिक्षण के सफल समापन के उपलक्ष्य में, गरुड़ रेजिमेंटल ट्रेनिंग सेंटर (जीआरटीसी), वायु सेना स्टेशन चांदीनगर में 17 जनवरी 2026 को मैरून बेरेट औपचारिक परेड का आयोजन किया गया। वायु सेना संचालन के सहायक प्रमुख (वायु रक्षा) ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में परेड का निरीक्षण किया।

2. गरुड़ रेजिमेंटल ट्रेनिंग सेंटर के कमांडेंट ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और उन्हें प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। मुख्य अतिथि ने गरुड़ कमांडो को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने पर बधाई दी। युवा कमांडो को संबोधित करते हुए उन्होंने तेजी से बदलते सुरक्षा परिदृश्य के अनुरूप कठोर प्रशिक्षण और विशेष बलों के कौशल को निखारने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सफल गरुड़ प्रशिक्षुओं को मैरून बेरेट, गरुड़ प्रोफिशिएंसी बैज और विशेष बल टैब प्रदान किए और पुरस्कार विजेताओं को ट्राफियां दी।

3. पासिंग आउट समारोह के दौरान, 'गरुड़ कमांडो' ने युद्धक फायरिंग, बंधकों के बचाव, फायरिंग ड्रिल, विस्फोटक सामग्री पर हमला, बाधा पार करना, दीवार पर चढ़ना, रेंगना, रस्सियों से उतरना और सैन्य मार्शल आर्ट जैसे विभिन्न कौशल का प्रदर्शन किया।

4. मैरून बेरेट औपचारिक परेड 'गरुड़ कमांडो' के लिए गौरव और उपलब्धि का क्षण है। यह एक अत्यंत कठिन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन है और विशिष्ट 'गरुड़' बल में शामिल 'युवा विशेष बल संचालकों' के रूप में उनके परिवर्तन का प्रतीक है।

5. ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायु सेना के विशेष बलों की भूमिका को देखते हुए, हाल ही में उत्तीर्ण हुए विशेष बल संचालक नवपरिभाषित विशेष अभियानों को अंजाम देने के लिए भारतीय वायु सेना की क्षमता को और मजबूत करेंगे।

ऐशबाग पीली कॉलोनी चौराहे पर जल संकट

लखनऊ के पीली कॉलोनी चौराहे पर शिव पार्वती मंदिर के पास रोड पर बह रहा है जल। यह समस्या महीनों से चल रही है, लेकिन अभी तक इसका समाधान नहीं हो पाया है।

जल ही जीवन, लेकिन नसीब नहीं

लोक कहते हैं कि जल ही जीवन है, लेकिन यहां तो पानी ही नसीब नहीं हो रहा है। घर-घर पानी की समस्या है, लेकिन रोड पर बह रहा है लीकेज का पानी।

ऐशबाग में जलकल का ऑफिस, लेकिन समस्या का समाधान नहीं

ऐशबाग में जलकल का ऑफिस है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। लोगों ने पार्षद और जलकल से शिकायत की है,लेकिन समस्या जैसी थी वैसे ही बनी हुई है।

वाटर लाइन बिछाई गई, लेकिन लीकेज की समस्या

कुछ समय पहले ही वाटर लाइन बिछाई गई है, लेकिन लीकेज की वजह से हजारों लीटर पानी रोड पर बह रहा है। जलकल विभाग के बड़े-बड़े अधिकारी इसी रोड से निकलते हैं, लेकिन उन्हें यह समस्या नहीं दिखती।

जनता की पुकार

लोग कहते हैं कि जलकल विभाग के अधिकारी इसी रोड से होते हुए निकल रहे पर जमीन से निकल रहे पानी के लीकेज को नहीं देख रहे हैं। अब इस समस्या का समाधान कितनी जल्दी होता है, यह देखने का विषय है।

निवेदन

हम जलकल विभाग से अनुरोध करते हैं कि इस समस्या का समाधान जल्द से जल्द किया जाए। जनता को पानी की समस्या से निजात दिलाई जाए।

- जलकल विभाग के अधिकारियों को इस समस्या का समाधान करना चाहिए
- वाटर लाइन की जांच की जानी चाहिए
- लीकेज की समस्या का समाधान किया जाना चाहिए
- जनता को पानी की समस्या से निजात दिलाई जानी चाहिए

पीएम आवास योजना (शहरी) 2.0: 599 लाभार्थियों को मिला आवास स्वीकृति पत्र, प्रथम किस्त के रूप में 01-01 लाख रुपये खातों में डीबीटी से प्रेषित

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत शहरी क्षेत्र के पात्र परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराए जाने की दिशा में जनपद में ठोस पहल करते हुए 599 लाभार्थियों को आवास स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए तथा प्रथम किस्त के रूप में प्रति लाभार्थी 01 लाख रुपये की धनराशि सीधे उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजी गई।

कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में लाभार्थियों ने सुना मुख्यमंत्री जी का वर्चुअल संबोधन

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में लाभार्थियों ने मा0 मुख्यमंत्री जी का वर्चुअल संबोधन सुना।

डीएम ने लाभार्थियों को सौंपे

स्वीकृति पत्र, दी बधाई

कार्यक्रम में जिलाधिकारी श्री विपिन कुमार जैन द्वारा लाभार्थियों को आवास स्वीकृति पत्र सौंपते हुए कहा गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है, जिसके माध्यम से शहरी क्षेत्र में रहने वाले जरूरतमंद परिवारों को स्थायी आवास प्रदान किया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने सभी लाभार्थियों को बधाई दी , कहा कि निर्माण कार्य गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराया जाए, ताकि शासन द्वारा दी जा रही सहायता का अधिकतम लाभ मिल सके।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0: गरीबों के सपनों को दे रही आकार

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग , निम्न आय वर्ग एवं मध्यम आय वर्ग के पात्र परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है।

योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को किस्तों में वित्तीय सहायता डीबीटी के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है, जिससे पात्र परिवार अपने घर का निर्माण/पूर्ण कर सकें तथा शहरी गरीबों को सम्मानजनक जीवन मिल सके।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) , अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका बलरामपुर, बृजेंद्र तिवारी , डीपी सिंह , सभासदगण सहित जनप्रतिनिधिगण एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हिंदू सम्मेलन में सामाजिक एकता पर जोर, संगठित हिंदू समाज ही राष्ट्र की शक्तिः स्वामी ओम प्रपन्नाचार्य

(जीएनएस)।

बलरामपुर। नगर के रमना पार्क स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में रविवार को दोपहर 12 बजे भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता महाराजा बलरामपुर जयेंद्र प्रताप सिंह ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता श्रीमज्जगतगुरु स्वामी ओम प्रपन्नाचार्य महाराज (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, विश्व वैदिक धर्म संघ, अयोध्या धाम) रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में बजरंग दल के प्रांत संयोजक महेश तिवारी तथा प्रो. रेखा विश्वकर्मा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। सरस्वती शिशु मंदिर की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। अतिथियों का स्वागत एमएलके पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. जे.पी. पाण्डेय, व्यापार मंडल अध्यक्ष रमेश पाहवा, डॉ. राकेश चंद्रा, प्रवीण सिंह, दिव्य दर्शन तिवारी एवं डॉ. राजीव रंजन ने माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र भेंट कर किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए बजरंग दल के प्रांत संयोजक महेश तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्थापना दिवस पर शताब्दी वर्ष मना रहा है, जो हम

सभी के लिए आत्मचिंतन का अवसर है। उन्होंने कहा कि हमें यह विचार करना होगा कि भारत पहले कैसा था और भविष्य में भारत को हिंदू राष्ट्र एवं विश्व गुरु बनाने में हमारी क्या भूमिका हो सकती है। उन्होंने छोटे-छोटे प्रयासों के माध्यम से समाज निर्माण में योगदान देने का आ'ान किया। महेश तिवारी ने भारत के इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने अनेक आक्रमण झेले, लेकिन हमारे वीर नायकों ने सदैव मातृभूमि की रक्षा के लिए बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि हमें अपने वास्तविक नायकों और आदर्शों को पहचानने की आवश्यकता है। भारत माता की रक्षा के लिए बलिदान देने वाले महापुरुष ही हमारे सच्चे नायक हैं। उन्होंने गुरु तेग बहादुर, गुरु गोविंद सिंह, वीर बंदा बैरागी एवं रानी लक्ष्मीबाई जैसे महापुरुषों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने पंच परिवर्तन और कुटुंब प्रबोधन पर विशेष बल देते हुए समाज में एकता और अनुशासन बनाए रखने की बात कही। मुख्य वक्ता स्वामी ओम प्रपन्नाचार्य महाराज ने अपने उद्बोधन में हिंदू जनमानस को जागृत करने का आ'ान किया। उन्होंने रामायण काल के उदाहरण देते हुए कैकेयी, शबरी और मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के त्याग एवं आदर्शों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को आपसी मतभेद भूलकर संगठित होना होगा और कुटुंब को जोड़कर समाज को सशक्त बनाना होगा। स्वामी प्रपन्नाचार्य ने पंच परिवर्तन को अपनाने, सामाजिक समरसता बढ़ाने तथा वंचित वर्गों को साथ लेकर चलने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि श्रीरामचरितमानस मानवता का संविधान है, जो समस्त समाज के कल्याण का मार्ग दिखाता है, इसलिए इसे राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का समापन भारत माता की आरती के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन नीलमणि ने किया। इस दौरान विभाग संघ चालक सौम्या अग्रवाल, विभाग प्रचारक प्रवीण, जिला प्रचारक जितेंद्र कुमार, जिला कार्यवाह किरीट मणि, विभाग प्रचार प्रमुख मनीष, जिला प्रचार प्रमुख

मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में 1487 मरीजों को मिला उपचार

(जीएनएस)।

जनपद बलरामपुर में रविवार को सभी 31 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों का सफल आयोजन किया गया। इन मेलों में कुल 1487 मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी विवरण के अनुसार, लाभार्थियों में 656 पुरुष, 675 महिलाएं और 156 बच्चे शामिल रहे। मेलों में आए मरीजों का पंजीकरण कर सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप, शुगर, टीबी, कुष्ठ, नेत्र एवं दंत रोगों की जांच की गई। साथ ही गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच, परिवार नियोजन संबंधी परामर्श और बच्चों का टीकाकरण भी किया गया।

इसके अतिरिक्त आयुष्मान भारत योजना, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन

कार्यक्रम, संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी गई। दवा वितरण काउंटर के माध्यम से निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गईं।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ मुकेश कुमार रस्तोगी द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिसई में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का निरीक्षण किया गया।

थाना महराजगंज तराई पुलिस द्वारा तलाश वारण्टी अभियान के तहत 04 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

(जीएनएस)।

पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार द्वारा अपराधियों तथा वारण्टी/वांछित अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही एवं जुर्म-जरायम की रोकथाम हेतु दिये गये निदेर्शों के क्रम में,अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय व क्षेत्राधिकारी ललिया देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार तिवारी थाना मह0 तराई के कुशल नेतृत्व में-

थाना मह0 तराई पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजी0 मुअ0सं0 635/24/96, अन्तर्गत धारा 392, 506 भा0द0वि0 से संबन्धित वारण्टी अभियुक्त मुल्ला पठान पुत्र अब्दुल मालिक निवासी ग्राम विजईडीह, थाना महराजगंज तराई, जनपद बलरामपुर , 2 . मुकदमा संख्या 208/21, अपराध संख्या 04/07, धारा 324, 323, 504 भा.दं.वि से संबन्धित अभियुक्त चन्द्रभान पुत्र बघेसर, निवासी ग्राम शिवचरनडीह, थाना महराजगंज तराई, जनपद बलरामपुर, 3 .मुकदमा संख्या 656/21, अपराध संख्या 174/12, धारा 4/25 आर्म्स एक्ट से संबन्धित अभियुक्त विश्वनाथ गिरी पुत्र श्यामलाल, निवासी ग्राम जोखवा दा0 उदईपुर सानी, थाना महराजगंज तराई, जनपद बलरामपुर तथा 4 .मुकदमा संख्या 588/16, अपराध संख्या 101/08, धारा 4/25 आर्म्स एक्ट से संबन्धित अभियुक्त विनोद कुमार वर्मा उर्फ गब्बू पुत्र रामचन्दर वर्मा, निवासी ग्राम बनकटवा दा0 लालपुर लैबुड्डी, थाना महराजगंज तराई, जनपद बलरामपुर को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही पूर्ण कर उसे माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण

1. अभियुक्त मुल्ला पठान पुत्र अब्दुल मालिक नि0 ग्राम विजईडीह, थाना महराजगंज तराई, जनपद बलरामपुर
2. अभियुक्त विनोद कुमार वर्मा उर्फ गब्बू पुत्र रामचन्दर वर्मा, निवासी ग्राम बनकटवा दा0 लालपुर लैबुड्डी, थाना महराजगंज तराई, जनपद बलरामपुर
3. अभियुक्त विश्वनाथ गिरी पुत्र श्यामलाल, निवासी ग्राम जोखवा दा0 उदईपुर सानी, थाना महराजगंज तराई, जनपद बलरामपुर
4. अभियुक्त चन्द्रभान पुत्र बघेसर, निवासी ग्राम शिवचरनडीह, थाना महराजगंज तराई, जनपद बलरामपुर

जेस्ट कोचिंग सेंटर द्वारा जेस्ट खोज प्रतियोगता आयोजन

पेहर बाजार (बलरामपुर) (जीएनएस)।

छात्राओं का उत्साह पढ़ाई के प्रति और बढ़ाने के लिए आए दिन स्कूलों में भिन्न-भिन्न लिखित प्रतियोगिताएं कराई जा रही हैं जिससे छात्र एवं छात्राएं अपनी पढ़ाई के प्रति कठिन मेहनत कर अच्छे नंबरों से उत्तीर्ण हो सके इसी को देखते हुए जेस्ट कोचिंग सेंटर द्वारा जेस्ट खोज प्रतियोगता आयोजित की गई, राम अवध यादव इंटर कॉलेज महुआ ढार को परीक्षा केंद्र बनाकर विद्यालय के प्रत्येक कमरें में कैमरे की सख्त निगरानी व प्रत्येक कमरे में दो-दो अध्यापक के बीच सफल बनाया।

परीक्षा निरीक्षक संतोष कुमार मोर्य ने बताया कि जेस्ट खोज प्रतियोगता बीते कई वर्षों से हमारे कोचिंग में होती चली आ रही है, इस

छात्राओं का उत्साह पढ़ाई के प्रति और बढ़ाने के लिए आए दिन स्कूलों में भिन्न-भिन्न लिखित प्रतियोगिताएं कराई जा रही

स्मृति प्रतियोगिता में केवल कक्षा 10 व 12 के अध्ययनरत छात्र एवं छात्राएं का ही फॉर्म भरा गया, इस फार्म की फीस मात्र दो सौ रुपए रखी गई, परीक्षा में कुल 300 बच्चों ने हिस्सा लिया परीक्षा डटफसीट पर कराई गई। परीक्षा में कुल 100 प्रश्न पूछे गए संतोष मौर्य ने बताया कि इसका परिणाम फरवरी में घोषित किया जाएगा। जिसमें उत्तरीण हुए छात्रों को मेडल व पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

इस मौके पर परीक्षा निरीक्षक के रूप में संतोष कुमार मौर्य, राजेश मोर्य, चंदन श्रीवास्तव, अब्दुल रहमान, आकर्ष श्रीवास्तव, अमित मौर्य, साहुल कनौजिया, राहुल वर्मा, अंकुर शुक्ला, नैना चौरसिया, दीपा, खुशी व ममता समेत आदि लोग मौजूद रहे और इस परीक्षा को सफल बनाया।

विराट हिन्दू सम्मेलन में उमड़े हजारों, हिंदुत्व पर चर्चा

(जीएनएस)।

विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन हनुमान पार्क दामोदर नगर में आयोजित हुआ जहां अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा प्रदेश अध्यक्ष कुं मनोज भदौरिया ने खुले मंच से कहा कि सभी को एकजुट होकर सनातन मूल्यों के पुनर्जागरण की आवश्यकता है। प्रदेश अध्यक्ष कुं मनोज भदौरिया ने विधर्मियों द्वारा धर्म पर हो रहे प्रहार और महिलाओं पर अत्याचार का उल्लेख करते हुए सनातनी भाई-बहनों को संगठित होने का आ'ान किया। श्री भदौरिया ने आयोजन से जुड़े सभी आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए इसे समाज को जोड़ने वाला पावन आयोजन बताया। वक्ताओं ने सामाजिक समरसता एकता और एक आदर्श कुटुंब के महत्व को बताया। इस मौके पर मुख्य रूप से विहिप प्रान्त सह कोषाध्यक्ष गौरंग जी आखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष श्रीमान मनोज भदौरिया गोल्डन बाबा मनोजानन्द भाजपा मंडल अध्यक्ष आनन्द सिंह बिट्टू विभाग प्रचारक बैरिस्टर जी डा पीके मित्रा प्रवीना जी विमल जी लक्ष्मण जी कौशलेश जी दिनेश जी रमेश जी सहित समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित रहे।

पदाधिकारियों को राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिलाई शपथ। संगठन विस्तार पर चर्चा

सर्व ब्राह्मण विकास परिषद कानपुर जिले का शपथग्रहण समारोह में प्रदेश अध्यक्ष पं कौशल किशोर अवस्थी की अध्यक्षता में हुआ। समारोह का शुभारंभ राष्ट्रीय अध्यक्ष पं कमल किशोर अवस्थी एडवोकेट ने भगवान परशुराम जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया। प्रदेश अध्यक्ष कौशल किशोर अवस्थी ने कहा ब्राह्मण समाज की रीढ़ की हड्डी है ब्राह्मणो सदैव समाज के उत्थान का कार्य किया है ब्राह्मणो ने समाज को नई दिशा दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष पं कमल किशोर अवस्थी ने कहा ब्राह्मणों को राजनैतिक मोह छोड़ना होगा तभी ब्राह्मणों का उत्थान होगा ब्राह्मण सदैव देश का नेतृत्व करता रहा है परन्तु आज राजनैतिक क्षेत्र में पिछड़ता जा रहा है। श्री अवस्थी ने कि जो राजनैतिक दल श्री कृष्ण जी द्वारा जिस प्रकार सुदामा जी

को सम्मान दिया था उसी प्रकार जो भी राजनैतिक दल ब्राह्मणों को सम्मान देगा ब्राह्मण चुनाव में उसी के साथ रहेगा इस मौके पर मुख्य रूप से संजीव मिश्रा, विनोद शुक्ला, कौशल किशोर अवस्थी,महेश त्रिवेदी, श्रीमती सीमा गौतम, अंजलि तिवारी, उमा तिवारी, साधना द्विवेदी, निशा मिश्रा, आदि लोगो ने सम्बोधित किया शपथ ग्रहण समारोह में कानपुर जिले के 437 पदाधिकारियों ने शपथ ली

गोंडल से हैदराबाद तक, फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल के 57वें संस्करण ने पूरे देश के नागरिकों को एकजुट किया है

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुजरात में साइकिल चलाई, जी. किशन रेड्डी ने हैदराबाद में संडेज ऑन साइकिल में भाग लिया, इसके साथ ही खिलाड़ी पी. गोपीचंद, दीप्ति जीवनजी और ईशा सिंह विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे

(जीएनएस)।

फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल का 57वां संस्करण आज सुबह पूरे देश में आयोजित किया गया। राजकोट के पास गोंडल में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कार्यक्रम का नेतृत्व किया और हैदराबाद में केंद्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने 1,000 से अधिक प्रतिभागियों के साथ इसे झंडी दिखाकर रवाना किया।

गोंडल में आयोजित संडेज ऑन साइकिल कार्यक्रम में 250 साइकिल चालकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और फिटनेस तथा सतत विकास का सशक्त संदेश प्रसारित किया।

डॉ. मनसुख मांडविया ने आज सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया, ह्लभारत को फिट बनाने के लिए हमें संडेज ऑन साइकिल में भाग लेना होगा।'

डॉ. मांडविया फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल कार्यक्रम में नियमित रूप से भाग लेते हैं। उन्होंने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा, ह्लसाइकिल चलाना सभी आयु वर्ग के लिए सबसे अच्छा व्यायाम है। यह कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी सहायता करता है। हम सभी को एक साथ आना चाहिए और नियमित रूप से साइकिल चलाना शुरू करना चाहिए। मुझे इतने सारे लोगों के साथ साइकिल चलाने में आनंद आता है, यह हम सभी को एक समुदाय की भावना देता है, जो बहुत महत्वपूर्ण है। मैं देशभर के भारतीयों से आग्रह करता हूं कि वे हर रविवार को अपने शहर के किसी स्थान पर इसमें शामिल हों।'

डॉ. मांडविया ने शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "किसी भी देश की शक्ति उसके नागरिकों से ही आती है। अगर हमें अपने सपनों का विकसित भारत बनाना है, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक भारतीय शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ हो ताकि हर कोई राष्ट्र के विकास में योगदान दे सके। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की भी यही परिकल्पना है।"

केंद्रीय मंत्री के प्रतिभागियों से बातचीत के दौरान, साइकिलिंग को सामुदायिक एकता का उत्प्रेरक बताने वाली कई कहानियां सामने आईं।

'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' एक राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन में परिवर्तित हो चुका है, जिसमें 2 लाख से अधिक स्थानों पर 22 लाख से अधिक नागरिकों की भागीदारी दर्ज की गई है।

यह पहल माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज' की परिकल्पना के अनुरूप है और मोटापे से लड़ने और टिकाऊ, कम कार्बन उत्सर्जन वाली जीवनशैली को बढ़ावा देने की दोहरी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को उल्लिखित करती है।

इसी भावना के साथ, हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट के सहयोग से हैदराबाद के गाचीबावली स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्ति और खेल जगत की प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं, जिनमें केंद्रीय कोयला एवं खान

एमएसडीई 19-20 जनवरी 2026 को पुणे में जन शिक्षण संस्थान क्षेत्रीय सम्मेलन और हितधारक परामर्श का आयोजन करेगा

(जीएनएस)।

भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) की ओर से 19-20 जनवरी 2026 को सिम्बायोसिस स्किल एंड प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र के सभागार हॉल में दो दिवसीय जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) क्षेत्रीय सम्मेलन-सह-हितधारक परामर्श एवं प्रगति समीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

इस सम्मेलन में 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 152 जन शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि, एमएसडीई के अधिकारी, जन शिक्षण संस्थान निदेशालय (डीजेएसएस), राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (एनआईईएसबीयूडी) और अन्य प्रमुख हितधारक एक साथ आएंगे।

जन शिक्षण संस्थान योजना, एक केंद्रीय क्षेत्र योजना है जिसे एमएसडीई की ओर से गैर-सरकारी संगठनों के माध्यम से कार्यान्वित किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य निरक्षर, नव-साक्षर व्यक्तियों, स्कूल छोड़ने वाले छात्रों और समाज के हाशिए पर स्थित वर्गों, विशेष रूप से महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यकों और अन्य वंचित समूहों के लिए अनौपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना है।